कार्यपत्र-23

1. सही उत्तर के आगे ठीक (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) 'आस्तीन का साँप' मुहावरे का अर्थ है– (ii) कपटी/धोखेबाज मित्र ✓

(ख) 'सब प्रकार से लाभ ही लाभ' अर्थ के लिए उपयुक्त मुहावरा होगा– (iii) पाँचों उँगलियाँ घी में होना ✓

(ग) 'अपना हाथ जगन्नाथ' लोकोक्ति का अर्थ है– (i) स्वयं किया कार्य ही श्रेष्ठ होता है ✓

(घ) 'खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे' लोकोक्ति का अर्थ क्या है? (ii) शर्मिंदा होकर दूसरे पर क्रोध करना ✓

(ङ) 'भैंस के आगे बीन बजाना' मुहावरे का अर्थ है– (iii) मूर्ख के आगे ज्ञान की बातें करना ✓

2. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखिए।

(क) आँखें चुराना	कतराना, सामने न आना
(ख) कलेजा ठंडा होना	संतोष प्राप्त होना
(ग) दाँत खट्टे करना	परास्त करना
(घ) खयाली पुलाव पकाना	मनगढ़ंत बातें करना
(ङ) तिल का ताड़ बनाना	बात को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करना

3. निम्नलिखित लोकोक्तियों के अर्थ लिखिए।

(क) अंधों में काना राजा	अयोग्य व्यक्तियों में कम योग्य व्यक्ति भी श्रेष्ठ बन जाता है।
(ख) एक म्यान में दो तलवारें नहीं रह सकतीं	एक ही स्थान पर दो विरोधी साथ नहीं रह सकते।
(ग) नाच न जाने, आँगन टेढ़ा	काम करने का ढंग मालूम न होने पर बहाना करना।
(घ) हाथ कंगन को आरसी क्या	प्रत्यक्ष को प्रमाण की आवश्यकता नहीं होती।
(ङ) दूध का जला छाछ को भी फूँक-फूँक कर पीता है	एक बार धोखा खाने पर अत्यधिक सावधान होना।

4. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्य में प्रयोग कीजिए।

(क) अँगूठा दिखाना

मोहन ने जब अपने पैसे माँगे तो सौरभ ने अँगूठा दिखा दिया।

(ख) अपनी खिचड़ी अलग पकाना

राहुल कभी किसी का मित्र नहीं बन सकता। वह हमेशा अपनी खिचड़ी अलग पकाता है।

(ग) बहती गंगा में हाथ धोना

सरकार की ओर से कंबल बाँटे जा रहे थे, मैंने भी बहती गंगा में हाथ धो लिए।

(घ) कानाफूसी करना

कमला की तो आदत है दिनभर कानाफूसी करना। उसकी किसी बात पर यकीन नहीं किया जा सकता।

(ङ) तलवार की धार पर चलना

आजकल मेहनत से पैसे कमाना तलवार की धार पर चलने के समान है।

5. निम्नलिखित लोकोक्तियों का वाक्य में प्रयोग कीजिए।

(क) न रहेगा बाँस, न बजेगी बाँसुरी

दो बच्चे साइकिल के लिए लड़ रहे थे। पिता जी उस साइकिल को लेकर बाज़ार चले गए। न रहेगा बाँस, न बजेगी बाँसुरी।

(ख) तू डाल-डाल, मैं पात-पात

मोहन पिता जी से मेरी शिकायत करने वाला था, मैंने उससे पहले ही सारी बात पिता जी को बता दी। तू डाल-डाल, मैं पात-पात।

(ग) जल में रहकर मगरमच्छ से बैर

गाँव में रहकर सरपंच जी से पंगा लेना जल में रहकर मगरमच्छ से बैर लेने के समान है।

(घ) मन चंगा तो कठौती में गंगा

राम ने सुरेश से कहा, "तुम बार-बार तीर्थ यात्रा पर जाते हो, लेकिन असली पवित्रता तो मन में होती है। मन चंगा तो कठौती में गंगा।"

(ङ) राम नाम जपना, पराया माल अपना

दिनेश को पैसे उधार मत देना। उसकी तो एक ही नीति है राम नाम जपना, पराया माल अपना।